

आध्यात्मिक क्रान्ति टीम *Presents*

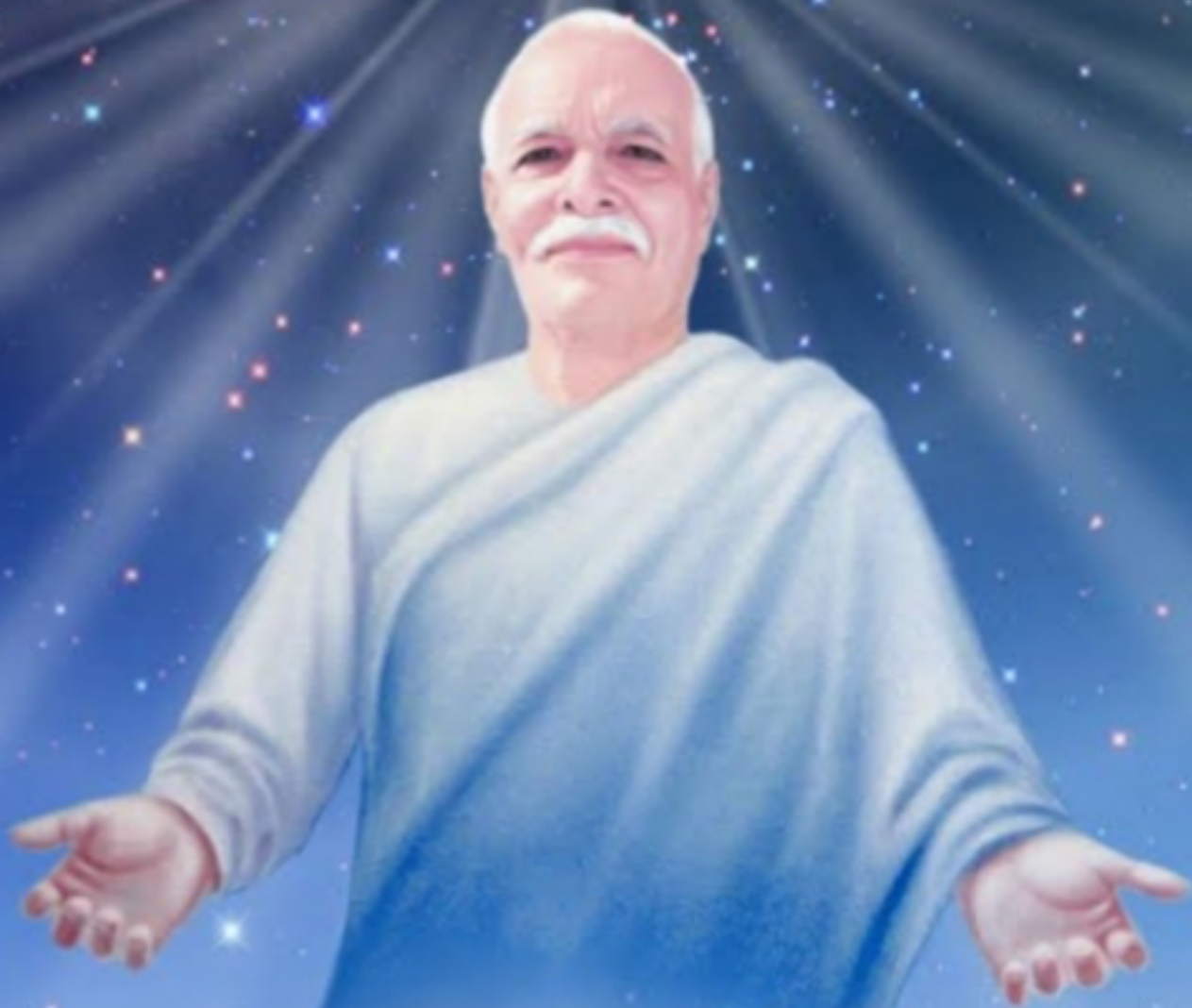


मीठे बाबा की...



आज की मुरली से...

मीठी शिक्षाएँ...



शिव वंशी

1. मीठे बच्चे - सदा इसी नशे में रहो कि हम शिव वंशी ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण हैं, हमारा ईश्वरीय कुल सबसे ऊंचा है"
2. मीठे-मीठे संगमयुगी ब्राह्मण जिनको स्वदर्शन चक्रधारी कहा जाता है वह अभी गुप्त वेष में पढ़ रहे हैं।
3. तुमको कोई समझ न सके कि यह संगमयुगी ब्रह्मा मुख वंशावली हैं।
4. तुम बच्चे जानते हो हम शिव वंशी ब्रह्मा मुख वंशावली हैं।
5. तो कुल का भी नशा चढ़ता है क्योंकि तुम ही ईश्वरीय कुल के हो।
6. ईश्वर ने ही बैठ तुमको अपना बनाया है, अपने साथ ले जाने के लिए।
7. बच्चे जानते हैं तो बाप भी जानते हैं कि आत्मा पतित बन गई है, अब पावन बनना है।
8. अब बच्चों को निश्चय हो गया है कि हम शिव वंशी ब्रह्मा मुखवंशावली हैं।
9. तुम्हारा नाम भी है ब्रह्माकुमार कुमारी।

लिफ्ट

1. अभी संगमयुग पर ही घर जाने की लिफ्ट मिलती है।
2. जब तक कोई बाप का न बने, ब्राह्मण न बने तब तक लिफ्ट में बैठ नहीं सकते।
3. लिफ्ट में बैठने के लिए पवित्र बनो, दूसरा स्वदर्शन चक्र घुमाओ - यही जैसे पंख हैं, इन्हीं पंखों के आधार से घर जा सकते हो।
4. अब संगम पर ब्राह्मण हैं फिर देवता बनते हैं।
5. तो तुम अभी संगमयुगी हो और सतयुगी राजधानी में जाने का पुरुषार्थ कर रहे हो।
6. बाकी सुख के दिन सबके लिए आ रहे हैं।
7. तुमको धीरज मिल रहा है।
8. बाकी दुनिया तो घोर अन्धियारे में है।

पाठशाला

1. यह राजयोग की पाठशाला है।
2. पाठशाला में तो बहुत होंगे।
3. एक को थोड़ेही पढ़ायेंगे।
4. हम कहते हैं बाप है, टीचर है तो बहुतों को पढ़ाते हैं।
5. देखते हो बेहद के बच्चों को पढ़ाते हैं और वृद्धि होती जाती है।
6. झाड़ धीरे-धीरे बढ़ता है।
7. जब थोड़ा निकलता है तो चिड़ियायें खा जाती हैं।
8. तुम देखते हो इस झाड़ को माया का तूफान ऐसा आता है जो अच्छे-अच्छे बिखर जाते हैं।
9. बाबा शुरू में बच्चों की ऐसी चलन देखते थे तो कहते थे तुम्हारी चलन ऐसी है जो तुम ठहर नहीं सकेंगे, इसलिए श्रीमत पर चलो।

अन्धेर नगरी

1. बाबा कहते अन्धेर नगरी है... कुछ भी नहीं जानते हैं।
2. अगर समझो साधू सन्त, गुरूओं को मालूम पड़ जाए कि बाप आया है, जिसको हम सर्वव्यापी कहते थे, वह अब मुक्ति-जीवनमुक्ति आकर दे रहे हैं।
3. अच्छा जान जायें तो आकर लेने लग जायें, ऐसा पांव पकड़ लें, जो मैं छुड़ा भी न सकूं।
4. ऐसा हो तो सब कहें कि इनके पास जादू है और गुरू का माथा खराब हो गया है।
5. परन्तु अभी ऐसा होना नहीं है, यह पिछाड़ी में होना है।
6. कहते हैं ना कन्याओं ने भीष्मपितामह को बाण मारे।
7. यह भी दिखाते हैं - बाण मारने से गंगा निकल आई।
8. तो सिद्ध है पिछाड़ी में ज्ञान अमृत सबको पिलाया है।
9. मनुष्य तो कुछ भी जानते नहीं।

डायरेक्शन

1. बाप ने अब डायरेक्शन निकाला है कि पवित्र बनो और भगवान से डायरेक्ट गीता सुनो।
2. 7 रोज़ क्वारनटाइन में बिठाओ।
3. दे दान तो छूटे ग्रहण।
4. अभी सबको 5 विकारों का ग्रहण लगा हुआ है इसलिए पतित बन गये हैं।
5. रावणराज्य है ना।
6. अब बाप कहते हैं बच्चे तुम मेरा बनो, दूसरा न कोई।
7. श्री-श्री 108 की श्रीमत पर चलने से तुम 108 विजयी माला का दाना बन जायेंगे।
8. मैं माला का दाना नहीं बनता हूँ।
9. मैं तो न्यारा हूँ जिसकी निशानी फूल है।

1. बाप कहते हैं यह विनाश की निशानी है - बाम्ब्स।
2. शास्त्रों में लिखा हुआ है कि पेट से मूसल निकाल अपने कुल का विनाश किया।
3. तुम जानते हो कि बाबा आया है पावन दुनिया बनाने।
4. तो पुरानी दुनिया का विनाश जरूर चाहिए।
5. नहीं तो हम राजाई कहाँ करेंगे।
6. इस पढ़ाई की प्रालब्ध है भविष्य नई दुनिया के लिए।
7. और जो भी पुरुषार्थ करते हैं वह इस दुनिया के लिए है।
8. संन्यासी जो पुरुषार्थ करते हैं वह भी इस दुनिया के लिए है।
9. तुम कहते हो हम यहाँ आकर राजाई करेंगे।

धारणा

1. माला का दाना बनने के लिए यह धारणा पक्की करनी है कि मेरा तो एक शिवबाबा, दूसरा न कोई। स्मृतिर्लब्धा बनना है।
2. श्री श्री 108 शिवबाबा की श्रीमत पर पूरा-पूरा चलना है।
3. मेरा-मेरा छोड़ ग्रहण से मुक्त होना है।

वरदान

1. ब्राह्मण जीवन में सदा सुख का अनुभव करने वाले मायाजीत, क्रोधमुक्त भव
2. ब्राह्मण जीवन में यदि सुख का अनुभव करना है तो क्रोधजीत बनना अति आवश्यक है।
3. भल कोई गाली भी दे, इनसल्ट करे लेकिन आपको क्रोध न आये।
4. रोब दिखाना भी क्रोध का ही अंश है।
5. ऐसे नहीं क्रोध तो करना ही पड़ता है, नहीं तो काम ही नहीं चलेगा।
6. आजकल के समय प्रमाण क्रोध से काम बिगड़ता है और आत्मिक प्यार से, शान्ति से बिगड़ा हुआ कार्य भी ठीक हो जाता है इसलिए इस क्रोध को बहुत बड़ा विकार समझकर मायाजीत, क्रोध मुक्त बनो।
7. स्लोगन:-अपनी वृत्ति को ऐसा पावरफुल बनाओ जो अनेक आत्मायें आपकी वृत्ति से योग्य और योगी बन जायें।



आध्यात्मिक क्रान्ति टीम PRESENTS

राजयोग

मेडिटेशन कोर्स

साकार / अव्यक्त मुरली

मन्सा सेवा प्रोजेक्ट

ॐ शान्ति

लिखे

मेरा बाबा



+91 9001574995

निःशुल्क



Blessed by अव्यक्त बापदादा



आध्यात्मिक क्रान्ति